अटैक्सिआ (Ataxia): मरीजों के लए आवश्यक तथ्य।

यह क्या है?
अटैक्सिआ शब्द की उत्पति ग्रीक से हुई है और इसका अर्थ है “बिना आदेश के।” अटैक्सिआ अव्यवस्थित, अनाड़ी मूवमेंट और संतुलन के साथ कठिनाइयों को संदर्भित करता है। मूवमेंट के संबंध में पूर्व से तत्कालिक संतुलन के कई हासिल से एक साथ कम करने की आवश्यकता होती है और इसके साथ कठिनाइयों को नियंत्रित करने की आवश्यकता होती है। अटैक्सिआ के कारणों में स्ट्रोक, स्ट्रोक, स्ट्रोक, स्ट्रोक इत्यादि से मस्तिष्क की रोगीता मूवमेंट के साथ कठिनाइयों के साथ जोड़ी या नहीं। अटैक्सिआ करने के लए जिम्मेदार मस्तिष्क का सबसे आम क्षेत्र सेरिबैलम है।

अटैक्सिआ के लक्षण क्या है?
- खड़े होने पर संतुलन के साथ कठिनाई।
- चलने में कठिनाई जैसे एक तरफ से दूसरी तरफ जाना या गिरना।
- एक सीधी चलने में असमर्थता।
- अस्थिर होने के कारण गिरना।
- असन्तुलित और अनाड़ी हाथों की तरह हाथों का मूवमेंट।
- किसी काम को पुरा करते समय हाथ, पैर, माथे या पूरे शरीर में कपकपे का बढ़ जाना।
- बात करने में दिक्कत महसुस करना या अस्पष्ट उच्हारण करना।
- आंखों की गतिविधियों के साथ समस्याएं जो दोहरी या धुंधली दृष्टि का कारण बन सकती है।
- चक्कर आना।

कारण क्या है?
अटैक्सिआ एक न्यूरोलॉजिकल संकेत न है कि बीमारी। इसके कई संभावित कारण हैं:
- ट्यूमर, स्ट्रोक, सिर के आघात, संक्रमण आदि से मस्तिष्क की रोगीता।
- विटामिन की कमी जैसे विटामिन बी 1, बी 12 या ई के निम्न स्तर।
- कुछ दवाइयों या विषाक्त पदार्थों जैसे फ़िनाइटोइन (phenytoin), कार्बामाजेपिन (carbamazepine), बार्बिटुरेट्स (barbiturates), शामक औषधियाँ, कुछ एंटीबायोटिक दवाओं (antibiotic), लिथियम (lithium), एमियोडेरोन (amiodarone) और शराब के संपर्क से।
- ऑटोइम्यून समस्याएं जैसे मल्टीपल स्क्लेरोसिस (multiple sclerosis), ट्यूमर के खिलाफ प्रतिरक्षा जीवन, सीलिएक रोग।
- न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों जहां मस्तिष्क तंत्रिका कोशिकाओं को खो देता है, जैसे मल्टीपल संक्रमित सेल्टिम प्योरोफाइड (MSA), स्पिनोकेरेबेलर अटैक्सिया (SCA)।
- वंशानुगत (विरासत में मिला या आनुवंशिक) कारण।

इस रोग का निदान कैसे किया जाता है?
अटैक्सिआ का निदान करने के लाय एक डॉक्टर को आपके नैदानिक इतिहास के बारे में पूछने की जरूरत है, जिसमें एक सूची या तत्कालिक इतिहास भी शामिल होता है। आपकी एक विशिष्ट न्यूरोलॉजिकल परीक्षण भी होगी और यदि आवश्यक हो, तो नैदानिक परीक्षण शामिल हो सकते हैं जैसे:
- इमेजिंग जाँच: कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफी (CT) या चुंबकीय अनुनाद (MRI) या स्पाइन एमआरआई का उपयोग करके एक मस्तिष्क स्कैन।
- रक्त, मूत्र और रीढ़ की फ्लूईड का परीक्षण।
- रक्तचाप और मूत्र के कार्य पर परीक्षण।
- हृदय परीक्षण।
- तत्कालिक चालन अध्ययन और इलेक्ट्रोमोग्राफी (ENG / EMG)।
- संबंधित या न्यूरोलॉजिकल मूल्यांकन।
- अधिकार (genetic)।
- वंशानुगत (hereditary) अटैक्सिआ के लाय।

क्या कोई उपचार है?
अटैक्सिआ का इलाज कारण पर निर्भर करता है। यदि अटैक्सिआ दवाओं या विषाक्त पदार्थों के कारण है, तो उस एजेंट के संपर्क को रोकने से अटैक्सिआ में सुधार हो सकता है। कुछ विटामिन की कमी, ट्यूमर, अटैक्सिआ मुद्दों या मेटाबॉलिक समस्यों के कारण उपचार संभव हो सकता है। कुछ जेनेटिक अटैक्सिआ में विटामिन या दवा का विशिष्ट उपचार हो सकता है।
जब कोई विशिष्ट उपचार उपलब्ध न हो वहां फ़िजी थेरपी, अकुपेशन थेरपी, और कुछ आयुर्वेदिक उपचार के लाय दवाओं से रोगी के जीवन शैली को सुधारा जा सकता है।